## दिनांक 27 फरवरी, 1980

कमांक 69-ज (II)-79/7748.—पूर्वी पंजाब युंद्ध पुरस्कार ग्रिधितियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में ग्रिपनाया गया है भीर उसमें ग्राज तक मंशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यशाल श्रीमनी ज्ञान देवी माटिया, विधवा श्री वलदेव माटिया, मकान 419, हार्झमा शोई कानीनी, करनान, को रवी, 1973 से 150 हमय वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में वी गई शर्ती के ग्रनुसार सहुष प्रदान करते है।

क्रमांक 39-ज(I)-80/7752.--श्री हजारी सिंह, पुत्र श्री रतन सिंह, गांव जेरपुर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 23 नवस्वर, 1977 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिष्ठियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहखं आदेश देते ह कि श्री हजारी सिंह की मुख्तिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अशिपूचना कमांक 2302-ज(I)-72/32545, दिनांक 30 अगस्त, 1972, द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उस की विधवा श्रीमती गन्दी ववी, के नाम खरीक, 1978 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक की दर से तथा हरियाणा सरकार की अश्रिनूचना कमांक 1789-(जा)-79/44840, दिनांक 30 रूपनूचर, 1979 के अन्तर्गत रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक दर से सनद में दी गई शर्जी के अन्तर्गत सहबं प्रदान करते हैं।

## दिनांक 29 फरवरी, 1980

कमांक 127-ज(I)-80/8089 --श्री ग्रमीर चन्द, पुत्र श्री निहाल चन्द, गांव बड़ागांव, तहसील नारायणगढ़, जिला ग्रम्बाला, की दिनांक 14 मार्च, 1977 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है और उस में भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई ग्रितियों का प्रयोग करते हुए सहर्ग ग्रादेश देते हैं कि श्री ग्रमीर चन्द की मृत्तिया 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की प्रधिस्वना कमांक 3879-जे-एन-(III)-66/6049, दिनांक 7 ग्रप्रल, 1966 तथा 5041-ग्रार-(III)-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उस की विवेश श्रीमनी प्रमेश्वरी देवी के नाम खरीफ, 1977 से 150 रुपये वाधिक की दर से तथा हरियाणा सरकार की ग्रिधस्वना कमांक 1789-जे(I)-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्त्वूबर, 1979 के ग्रन्तगंत रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर्र से सनद में दी गई ग्रती के ग्रन्तगंत सहष् प्रदान करते हैं।

क्यांक 158-ज(I)-80/8093.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार भिष्ठित्यमं, 1948 (जैसा कि उसे हरियांणा राज्य में अपनाया गया है मौर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धार्रा 2(ए)(1) स्था 3(1) के भनुसार सौंपे गये भिष्ठकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती निम्बो देवी, विश्ववा श्री हरजी राम, गांव श्रामलवास मुरहटा, तहसील व जिना निवानी, को रबी, 1972 में बरोक, 1979 तक 150 धार्य वर्णिक तथा रबी, 1980 से 300 सपये वर्णिक कीमत वानी युद्ध जाणीर सनद में तो गई शानी के श्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

कपां रु 2021-ज (II)-79/8197.--हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग, युद्ध जागीर श्रीधसूत्रता कमांक 1448-ज (I)-29/33818, दिन' रु 35 मित्रम्बर, 1979, जो इरियाणा राजस्त्र दिनां रु 30 श्रश्तुबर, 1979, में मुद्रित हुई है के कमांक 2 पर अणिन जागीरदार त्री नेत राम के दिना का नाम गोसालिया की बजाये गोसालिया पढ़ा जाये।

## दिनांक 3 मार्च, 1980

क्रमांक 1-ज([[[]])-79/8274.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाना राज्य में प्रधानात्रा गया है जार उस में बाज तक संगोधन किया गया है) की आरा 3(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ब्रनुसार सींने गए अधिकारों का अधान करते हुए वृद्धियामा के राज्यसन श्रोमनी गुराम कौर, विश्ववा श्री बीर सिंह, गांव किला सिक्खां गांदान नहसीन थानेमर, जिना कुरक्षन, को रवी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से बरोक, 1973 ते 151 अपे बाबिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक गोमत बालो युद्ध जागीर सनद में दो गई खतौं के ब्रनुसार सहयं प्रदान करते हैं।